SHRI H. C. DASAPPA: Is it not a fact that this fall is due to not allowing sufficient exports?

DR. P. S. DESHMUKH: It is likely, but in permitting or not permitting exports, we have to take many factors into consideration.

DR. P. C. MITRA: May I know, Sir, if in the advertisements of *vanaspati* it is said that *vanaspati* contains vitamin A? If so, may I also know in what ingredient this vitamin A is contained?

DR. P. S. DESHMUKH: Sir, we are dealing here with the prices of *vanaspati*. I do not have the scientific composition of it.

DR. P. C. MITRA: But in the advertisements about *vanaspati* it is said that *vanaspati* contains vitamin A. So I want to know in what iningredient of *vanaspati* this vitamin A is present?

DR. P. S. DESHMUKH: Sir, I am not able to give a specific answer to this question. I do not have the information.

DR. SHRIMATI SEETA PARMANAND: In order to control the price of *vanaspati*, may I know, Sir, whether the Government are contemplating a *vanaspati* factory of their own?

DR. P. S. DESHMUKH: No, there is no such proposal before Government.

SHRIMATI VIOLET ALVA: In view of the fact that today almost the whole country is using *vanaspati*, does not Government think it necessary to keep a strict check on its price to see that it does not go up so high?

DR. P. S. DESHMUKH: I am afraid we would be going from the devil to the deep sea if we interfered too much with the prices.

DR. P. C. MITRA: Is it not a fact that vitamin A does not exist in the vegetable kingdom?

DR. P. S. DESHMUKH: We are dealing not with the vegetable kingdom, but with an article produced in a factory.

ईख विशेषज्ञों द्वारा निरीक्षित संस्थाएं

२६८. **श्रीमति सावित्री निगम** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ईख विशेषज्ञों की अन्तर्राष्ट्रीय सभा का जो नवां सम्मेलन हाल ही में भारत में हुआ था उसमें आये हुये प्रतिनिधियों ने कितनी संस्थाओं का निरीक्षण किया ; और

(ख) इस कार्य पर सरकार का कितना खर्चा बैठा ?

†[INSTITUTIONS VISITED BY SUGARCANE TECHNOLOGISTS

*268. SHRIMATI SAVITRY DEVI NIGAM: Will the Minister for FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the number of institutions which were visited by the delegates to the Ninth Congress of the International Society of Sugarcane Technologists held recently in India; and

(b) the expenditure incurred by Government in this connection?]

कृषि मंत्री (डा० पी० एस० देशमुख): (क) बारह । प्रतिनिधियों ने दस चीनी मिलें और उनके साथ लगे हुए गन्ने के फार्मों को भी देखा ।

(ख) सरकार ने इस कांग्रेस के सम्बन्ध में कोई भी खर्च नहीं किया है। लेकिन भारतीय केन्द्रीय गन्ना समिति ने इस खर्च के लिये ५०,००० रुपये दिये ।

†[THE MINISTER FOR AGRICULTURE (DR. P. S. DESHMUKH): (a) Twelve. The delegates also visited 10 sugar factories and the sugarcane farms attached to them.

†English translation.

(b) the Government have not borne any expenditure in connection with the Congress. The Indian Central Sugarcane Committee, however, contributed Rs. 50,000 towards this expenditure.]

श्रीमति सावित्री निगम : क्या इस समिति ने कोई रिपोर्ट भी गवर्नमेंट को सबमिट की थी ?

डा० पी० एस० देशमुख : यहां पर जो कांफ्रेंस हुई थी, उसकी प्रोसीडिंग्स हमारे पास जरूर आ गई होंगी या आने वाली होंगी। जो बाहर से आये हुए थे उन्होंने, हमारी जो कार्यवाही यहां पर हो रही है, उसकी निस्बत जो बात कही है वह हमारे पास मौजूद है।

श्रीमति सावित्री निगम : क्या सरकार को यह विदित है कि भारतीय शुगर टेकनौलाजी की कुछ टेकनौलाजिस्ट्स ने बड़ी प्रशंसा की है कि हम लोग बहुत आगे बढ़े हुये हैं ?

डा० पी० एस० देशमुख : हमें यह कहने में खुशी है कि यह बात सच है।

SHRI JASWANT SINGH: From what other countries did the delegates come here to take part in this Ninth *Congress of the International Society* of Sugarcane Technologists?

DR. P. S. DESHMUKH: From every sugar producing country; I do not have the list of all those countries with me here, but a very large number, probably representatives and delegates from more than two dozen countries came.

निःशुल्क भूपरिक्षण सेवा

*२६९. श्री **नवाब सिंह चौहान** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सत्य है कि उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय सरकार द्वारा वित्तपोषित निःशुल्क भूपरीक्षण सेवा चालू की जाने को है ;

(ख) यदि हां, तो इसकी क्या योजना है और वह कब कार्यान्वित की जावेगी ;

(ग) क्या यह योजना अन्य राज्यों में भी चालू की जावेगी ; और

(घ) यदि हां, तो उस पर कितना व्यय होने का अनुमान है ?

†[FREE SOIL TESTING SERVICE

*269. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a free soil testing service financed by the Centre is proposed to be started in Uttar Pradesh;

(b) if so, what is the scheme in this regard and when it will be implemented;

(c) whether the scheme will be implemented in other States also; and

(d) if so, what is the estimated expenditure to be incurred on the same?]

कृषि मंत्री (डा० पी० एस० देशमुख): (क) जी हां। भूमि के उपजाऊपन और उर्वरकों के उपयोग संबंधी टी० सी० एम० योजना के अधीन, भारत सरकार सारे भारत में कुछ भूमि परीक्षण प्रयोगशालायें स्थापित कर रही है जिन में से एक उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर में होगी। इस योजना के दौरान में किसानों से परीक्षण शुल्क नहीं लिया जायेगा।

(ख) किसानों के खेतों से भूमि के नमूने इकट्ठे करके इन प्रयोगशालाओं में विश्लेषण करना और उस के बाद फसल की उपज को बढ़ाने के लिये आवश्यक उर्वरक की व्यावहारिक सिफारिशें करना, इस योजना के मुख्य लक्षण होंगे।

†English translation.